उच्च शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमता (चैट जीपीटी) की भूमिका: लाभ और जोखिम

गिरधारी लाल यादव, सहायक आचार्य, राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय, कोटा

सार

चैट जीपीटी एक कृत्रिम बुद्धिमता आधारित चैटबॉट है जिसे ओपन एआई द्वारा बनाया गया है। यह मनुष्यों की तरह बातचीत करने वाले सॉफ्वेयर हैं। यह उपयोगकर्ताओं को पुछे गए सवालों का उतर देने, समस्याओं को हल करने, सुझाव देने, भाषा का अनुवाद करने आदि कार्य करने में सक्षम हैं। यह शोध पत्र उच्च षिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत (चैट जीपीटी) के उपयोग करने पर विद्यार्थियों को होने वाले लाभों और जोखिमों की जांच करता है इस शोध पत्र में महाविद्यालय के छात्रों से चैट जीपीटी के उपयोग एवं इससे उनको होने वाले लाभ और जोखिम को प्रष्नोत्तरी के माध्यम से आकड़े प्राप्त किये गए विद्यार्थियों ने चैट जीपीटी को अपनी पढ़ाई संबधी समस्याओं के लिए चैट जीपीटी को एक अच्छा मंच माना है। शोध पत्र विष्लेषण प्रस्तुत करता है कि छात्रों को सिखने, ज्ञान अर्जित करने, शोध कार्य करने विष्लेषण करने और लेखन कार्य में चैट जीपीटी बहुत मददगार साबित हुआ हैं परन्तु विद्यार्थियों की चैट जीपीटी पर निर्भरता उनके किसी समस्या का स्वंय द्वारा हल करने की भावना में कमी, रचनात्मकता एवं विष्लेषण करने की क्षमता में कमी लाती हैं